



दिनांक-04.04.2020

### सम्मानित शिक्षक वंधुओं

आप सभी अवगत है कि वर्तमान में भारत सहित विश्व के अधिकांश देश कोविड-19 जैसी भयंकर बीमारी के संक्रमण का सामना कर रहे हैं। विश्व में इस संक्रमण से हजारों की संख्या में जन-हानि हो चुकी है तथा भविष्य में कितनी होनी शेष है, इसकी कल्पना मात्र से सम्पूर्ण मानव-जाति भयभीत है। दैवीय कृपा से सरकार, प्रशासन एवं अपार जन-सहयोग से हमारे देश में इस बीमारी का संक्रमण काफी नियन्त्रण में है, लेकिन आने वाले दिन अनिश्चितताओं के घेरे के साथ-साथ चुनौती पूर्ण भी हैं। इस संकट की घड़ी में बुद्धिजीवी वर्ग विशेषकर शिक्षकों जिनका इस वर्ग में श्रेष्ठतम एवं सर्वोपरि स्थान है, का दायित्व भी राष्ट्र एवं समाज के प्रति बढ़ जाता है, क्योंकि यह समय चिंता का नहीं अपितु चिंतन का है। इस सम्बन्ध में हमारे भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय ने भी अपने एक संदेश में यह वर्णित किया है।

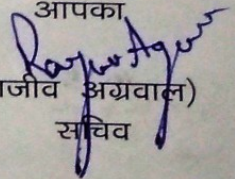
हमारे महाविद्यालय की पाँच संकायों कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि एवं टीचर्स-ट्रेनिंग एजुकेशन में योग्य एवं कर्मठ शिक्षकों की कमी नहीं है। समय-समय पर आपने अपनी विद्वता एवं अपने-अपने विषयों के पांडित्य के आधार पर राष्ट्रीय एवं अन्तर-राष्ट्रीय स्तर पर शोध-पत्रों एवं संगोष्ठीयों में भाग लेकर महाविद्यालय के गौरव को बढ़ाया है।

अतः आपसे मेरा आग्रह है कि आप सभी लॉकडाउन में अपने इस समय का सदुपयोग करेंगे और अपना कुछ समय अपनी लेखनी को भी देने का कष्ट करेंगे, जो वर्तमान में सामाजिक, आर्थिक, विधिक, वैज्ञानिक आदि पहलुओं पर प्रकाश डालते हुये देश को इस भयंकर आपदा से युद्ध करने में कारगर सिद्ध हो सकें। आपके इस पुनीत कार्य से महाविद्यालय की कीर्ति एवं गौरव के साथ-साथ यह भी प्रमाणित हो जायेगा कि हमारा यह महाविद्यालय देश के कोरोना संग्राम में सक्रिय एवं संवेदनशील है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने सम्बन्धित विषय से कुछ ऐसे प्रोजेक्टों का भी प्रारूप तैयार करेंगे जिनका आयोजन अगले शैक्षणिक-सत्र में महाविद्यालय में किया जा सके।

महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति आप सभी को उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु आपको किसी भी प्रकार की सहायता प्रदान करने में पीछे नहीं हटेगी।

जय हिन्द-जय भारत।

विनम्र आग्रह के साथ

आपका  
  
(राजीव अग्रवाल)  
सचिव